J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 29.02.2020

THE TRIBUNE

LECTURE ON SELF-MOTIVATION

Faridabad: The department of management studies of JC Bose University of Science and Technology, YMCA, on Monday organised an expert lecture on self-motivation and stress management by Nupur Tewari, an internationally acclaimed healer and motivational speaker from Heal Tokyo organisation in Japan. Nupur has a vast experience of working with Japanese corporates and various international schools. During the lecture, Nupur enlightened students on stress management, self-realisation, self-discipline and self-motivation. She discussed with the students how they can increase their confidence level and different modes through which they can explore their potential and channel it in the right direction.

The Tribune Tue, 03 March 2020
https://epaper.tribune

J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad
(formerly YMCA University of Science and Technology)
A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009
SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006
Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in

GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING: 29.02.2020

DAINIK JAGRAN

सफलता जेसी बोस वाइएमसीए यूनिवर्सिटी के इंजीनियरिंग के तीन छात्रों ने तैयार किया एंबुलेंस को जाम की जानकारी देने वाला सिस्टम

'स्मार्ट ट्रैफिक एंगेजमेंट' से एंबुलेंस को मिलेगा ग्रीन कॉरिडोर

अभिषेक शर्मा ● फरीदाबाद

सायरन बजाती हुई सड़कों पर सरपट निकलती एंबुलेंस को आम तौर पर रास्ता मिल ही जाता है, लेकिन जब रास्ता जाम पड़ा हो तो उस स्थिति में क्या करें। एंबुलेंस चालक को पहले से तो जाम के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाती। ऐसे में कई बार समय पर अस्पताल नहीं पहुंच पाने की वजह से एंबुलेंस में ही मरीज की मौत हो जाती है। इन घटनाओं को ध्यान में रखते हुए जेसी बोस वाइएमसीए विश्वविद्यालय में अध्ययनरत इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग के छात्र भारत पंत, हर्ष शर्मा एवं श्रेय अरोड़ा की तिकड़ी ने एंबुलेंस को ग्रीन कॉरिडोर उपलब्ध कराने वाला सिस्टम तैयार किया है, जिसे स्मार्ट ट्रैफिक एंगेजमेंट ऑफ इमरजेंसी व्हीकल्स नाम दिया गया है।

इस सिस्टम की खासियत यह होगी कि सड़क पर निकलने से पहले ही एंबुलेंस को उन रास्तों के बारे में पता चल जाएगा, जिन पर यातायात जाम नहीं होता है। इसका लाभ उन मरीजों को मिलेगा जिनकी हालत गंभीर होती हैं और उन्हें तत्काल उपचार की जरूरत होती है। खली सड़क की जानकारी पाने के बाद एंबुलेंस द्वारा मरीज को तुरंत अस्पताल पहुंचाना आसान हो जाएगा।

मिला पहला स्थान : छात्रों द्वारा तैयार इस प्रोजेक्ट को हाल ही में मानव रचना शैक्षणिक संस्थान में संपन्न अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण चुनौती एवं समाधान सम्मेलन में पहला स्थान प्राप्त हुआ था। साथ ही मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने इन छात्रों को ढाई लाख रुपये बतौर पुरस्कार दिया था।

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल, इंजीनियरिंग के छात्र हर्ष व भरत को पुरस्कृत करते हुए। साथ में मानव रचना शिक्षण संस्थान के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत भल्ला ● जागरण

चर्चा के दौरान मिला आइडिया: भारत, हर्ष और श्रेय के इस प्रोजेक्ट में मदद करने वाली मेंटर रश्मि चावला कहती हैं कि करीब डेढ़ वर्ष पहले रोटेरियन संदीप सिंघल यूनिवर्सिटी में आए थे। उनसे बातचीत के दौरान एंबुलेंस में होने वाली अकाल मौतों पर भी चर्चा हुई थी और वहीं से इस प्रोजेक्ट को बनाने का निर्णय हुआ। काफी रिसर्च के बाद इसको मूर्त रूप देने पर काम शुरू हुआ। इसमें स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की भी मदद ली गई है। उन्होंने भी छात्रों का मार्गदर्शन किया।

वीवीआइपी कर सकेंगे इस्तेमाल: मेंटर रश्मि के मुताबिक इस सिस्टम को ना सिर्फ एंबुलेंस, बल्कि वीवीआइपी की गाड़ियों एवं अन्य आवश्यक वाहनों में भी लगाया जा सकता है। मार्केट में उतारने से पहले इसका पेटेंट कराया जाएगा।

एंबुलेंस के लिए रास्ते बनाएगा

हर्ष के अनुसार जीपीएस केवल छोटे-छोटे रास्ते और ट्रैफिक बताता है, लेकिन स्मार्ट ट्रैफिक एंगेजमेंट ऑफ इमरजेंसी व्हीकल्स सेंसर जाम की स्थिति बताने में सहायक है। यह सेंसर जाम में फंसी एंबुलेंस को ट्रैक करता है तो जाम से निकलने का रास्ता भी बताएगा। इसे अभी और विकसित किया जा रहा है। इसमें ऐसे फीचर दिए जा रहे हैं, जिससे यदि कोई एंबुलेंस के सिग्नल पर पहुंचने से पूर्व ही अचानक लाल बत्ती हो जाती है तो लाल बत्ती स्वत: ही हरी हो जाएगी। इससे एंबुलेंस को रुकना नहीं पड़ेगा।

NEWS CLIPPING: 29.02.2020

NAVBHARAT TIMES

'पर्यावरण हित में करना होगा ई-कचरे को री-साइकल'

वाईएमसीए में जागरूकता सत्र का हुआ आयोजन

■ **एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद:** जेसी बोस (वाईएमसीए) यूनिवर्सिटी के पर्यावरण विज्ञान विभाग ने एक्शन इन कम्युनिटी एंड ट्रेनिंग संगठन के साथ मिलकर ई-कचरा प्रबंधन पर जागरूकता सत्र का आयोजन किया। यह एनजीओ कचरा प्रबंधन के क्षेत्र में काम कर रही है। इस मौके पर एनजीओ की तरफ से तापस चटर्जी ने छात्रों को ई-कचरा प्रबंधन प्रणाली के बारे में जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि तेजी से विकसित हो रही प्रौद्योगिकी के कारण पुराने व अनुपयोगी इलेक्ट्रॉनिक्स वस्तुओं की कचरे के रूप में वृद्धि हुई है। भारत में हर साल 2 मिलियन टन से अधिक ई-कचरा उत्पन्न होता है और केवल 2 प्रतिशत ही री-साइकल हो पाता है। इसके कारण गंभीर स्वास्थ्य व पर्यावरणीय प्रभाव हो रहे हैं। पर्यावरण विभागाध्यक्षा डॉ. रेणुका गुप्ता ने बताया कि हमें पर्यावरण सहित खुद के अस्तित्व को बचाने के लिए कचरे को संसाधन के रूप में देखना होगा और पर्यावरण के हित में इसे री-साइकल करना होगा। इस मौके पर डॉ. सोमवीर बजाड़, अनिता गिरधर, डॉ. नविश कटारिया, डॉ. स्मिता, मोनिका समेत कई लोग मौजूद थे।

NEWS CLIPPING: 29.02.2020

NAVBHARAT TIMES

पोस्टर प्रतियोगिता में शाइन अव्वल

■**एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद:** जेसी बोस (वाईएमसीए) यूनिवर्सिटी में शुक्रवार को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। इस मौके पर व्याख्यान व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता हुई। कार्यक्रम का आयोजन रसायन विज्ञान विभाग की तरफ से किया गया। इस साल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का विषय 'विज्ञान में महिलाएं' है, जिसका उद्देश्य विज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं के योगदान की सराहना करना है। इस मौके पर शारदा यूनिवर्सिटी नोएडा के प्रोफेसर एच. सूर्य प्रकाश राव व आईआईटी दिल्ली से प्रोफेसर हितेंद्र मलिक ने विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किए। इस अवसर पर रसायन विज्ञान विभाग के छात्रों की सोसायटी 'रसायन' के अंतर्गत विज्ञान में महिलाओं की भागीदारी, दैनिक जीवन में रसायन व स्मार्ट मटीरियल्स जैसे विषयों पर एक पोस्टर प्रतियोगिता भी आयोजित की। प्रतियोगिता में शाइन ने पहला, सिमरन व तनीषा ने दूसरा व तृप्ता ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग, डॉ. रवि कुमार व डॉ. बिंदु मंगला मौजूद थे।

NEWS CLIPPING: 29.02.2020

PUNJAB KESARI

ई-कचरा के सही प्रबंधन के लिए मिलकर करने होंगे प्रयास

फरीदाबाद, 28 फरवरी (ब्यूरो): जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के पर्यावरण विज्ञान विभाग द्वारा गैर सरकारी संगठन 'एक्शन इन कम्युनिटी एंड ट्रेनिंग' के विशेषज्ञों द्वारा ई-कचरा प्रबंधन पर एक जागरूकता सत्र का आयोजित किया गया। यह एनजीओ कचरा प्रबंधन के क्षेत्र में काम कर रहा है जोकि देश में ई-कचरा उत्पादन प्रबंधन के अधिकृत संगठन 'करो संभव' के साथ मिलकर ई-कचरे के मुद्दे पर जागरूकता अभियान चला रहा है। ई-कचरा जागरूकता को लेकर व्यापक स्तर पर चलाये जा रहे सूचनात्मक अभियान को इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा सहयोग दिया जा रहा है। व्याख्यान के दौरान, एनजीओ की ओर से तापस चटर्जी ने विद्यार्थियों को जवाबदेह ई-कचरा प्रबंधन प्रणाली के संबंध में जानकारी दी और ठोस कचरा प्रबंधन एवं ई-कचरे के पृथक्करण के लिए कार्य योजना बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बताया कि तेजी से विकसित

जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित करते हुए तापस चटर्जी।

हो रही प्रौद्योगिकी के कारण पुराने और अनुपयोगी इलेक्ट्रॉनिक्स वस्तुओं की कचरे के रूप में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। भारत में प्रतिवर्ष 2 मिलियन टन से अधिक ई-कचरा उत्पन्न होता है और केवल 2 प्रतिशत ही री-साइकल हो पाता है, जिसके कारण गंभीर स्वास्थ्य और पर्यावरणीय प्रभाव हो रहे है। उन्होंने कहा कि इस जागरूकता सत्र का उद्देश्य सत्र शिक्षकों और विद्यार्थियों को ई-कचरा प्रबंधन के प्रति संवेदनशील बनाना है। इस अवसर पर पर्यावरण विभागाध्यक्षा डॉ. रेणुका गुप्ता ने कहा कि हमें पर्यावरण सहित खुद के अस्तित्व को बचाने के लिए कचरे को संसाधन के रूप में देखना होगा और पर्यावरण के हित में इसका पुन:उपयोग सुनिश्चित बनाना होगा। उन्होंने विद्यार्थियों को ई-कचरे के प्रबंधन में सक्रिय सहयोग देने तथा इसे जन आंदोलन बनाने के लिए प्रेरित किया। ई-कचरा प्रबंधन पर व्यापक जागरूकता कार्यक्रम की मेजबानी के लिए करो संभव संगठन द्वारा पर्यावरण विज्ञान विभाग को 'प्रशंसा प्रमाण पत्र' प्रदान किया। कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने ई-कचरा प्रबंधन पर जागरूकता सत्र के आयोजन के लिए पर्यावरण विज्ञान विभाग की पहल की सराहना की।

पंजाब केसरी ई-पेपर Sat, 29 February 2020
https://epaper.punjabkesari.in/c/49552143

NEWS CLIPPING: 29.02.2020

PUNJAB KESARI

सर सीवी रमन के जीवन से प्रेरणा ले विद्यार्थी: दिनेश कुमार

फरीदाबाद, 28 फरवरी (ब्यूरो): जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद द्वारा आज राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया के उपलक्ष्य में आमंत्रित व्याख्यान और पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया। कार्यक्रमों का समन्वयन रसायन विज्ञान विभाग द्वारा किया गया था। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस भारतीय प्रसिद्ध वैज्ञानिक सर सीवी. रमन द्वारा रमन इफेक्ट की खोज के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, जिन्हें इस खोज के लिए सन 1930 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इस वर्ष, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का विषय 'विज्ञान में महिलाएं' है, जिसका उद्देश्य विज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं के योगदान की सराहना करना है। अपने संदेश में कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे वैज्ञानिक सी.वी. रमन के जीवन व विज्ञान के क्षेत्र में उनके योगदान को जाने तथा इससे प्रेरणा लें। उन्होंने कहा कि नोबेल पुरस्कार विजेता सी.वी. रमन दृढ़ इच्छा शक्ति के व्यक्ति थे, जिन्होंने अपने जीवन की सभी बाधाओं को पार करते हुए जीवन में सफलता हासिल की और ऐसे महान वैज्ञानिक का जीवन विद्यार्थियों के लिए अनुकरणीय है।

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ. एच. सूर्य प्रकाश राव।

इस अवसर पर शारदा विश्वविद्यालय, नोएडा के प्रो. एच. सूर्य प्रकाश राव और आईआईटी दिल्ली से प्रो. हितेंद्र मलिक द्वारा विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर रसायन विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ. रवि कुमार भी उपस्थित थे। प्रो. राव ने अपने व्याख्यान में विद्यार्थियों को सर सीवी रमन के जीवन प्रसंगों से प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि किस तरह से डॉ. रमन ने भारतीय अनुसंधान को बढ़ावा दिया तथा पगड़ी पहनकर एक भारतीय के रूप में अपनी पहचान कायम की। प्रो. मलिक ने फिल्म क्लिप के माध्यम से सॉलिटन के टकराव को प्रदर्शित किया और बताया कि किस तरह यह ऑप्टिकल संचार और ऊर्जा परिवहन के लिए उपयोगी है। कुलसचिव डॉ. सुनील कुमार गर्ग ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया ।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Sat, 29 February 2020
https://epaper.punjabkesari.in/c/

NEWS CLIPPING: 29.02.2020

DAINIK JAGRAN

शिविर में 200 यूनिट रक्त एकत्रित

जेसी बोस विश्वविद्यालय में आयोजित रक्तदान शिविर रक्तदाताओं का उत्साह बढ़ाते उपायुक्त यशपाल यादव, साथ में कुल सचिव डॉ.एसके गर्ग, कुलपति प्रो. दिनेश कुमार, विकास कुमार और राजकुमार अग्रवाल ● फोटो जेसी बोस विश्वविद्यालय की ओर से।

जागरण संवाददाता, फरीदाबाद: जेसी बोस विश्वविद्यालय एवं भारत विकास परिषद के संयुक्त तत्वावधान में रेडक्रॉस सोसायटी के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 200 से ज्यादा यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। शिविर का शुभारंभ जिला उपायुक्त यशपाल यादव तथा कुलपति प्रो.दिनेश कुमार ने किया। शिविर के आयोजन में कुल सचिव डॉ.सुनील कुमार गर्ग, डॉ. नरेश चौहान, डॉ.सोनिया बंसल तथा सुशील पवार व भारत विकास परिषद के क्षेत्रीय संगठन मंत्री राजकुमार अग्रवाल का विशेष योगदान रहा। इस मौके पर उपायुक्त यशपाल यादव ने स्वैच्छिक रक्तदान को लेकर विद्यार्थियों को प्रेरित किया तथा विश्वविद्यालय द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। शिविर में मैन्युफैक्चर्स एसोसिएशन फरीदाबाद के अध्यक्ष अजय जुनेजा, शिवालिक प्रिंट्स के प्रबंध निदेशक मुकेश अग्रवाल, भारत विकास परिषद के अध्यक्ष एसआर मित्तल, प्रमोद टिबरीवाल, सोहन लाल, नरेंद्र बंसल, उद्यमी राकेश गुप्ता, दिनेश अग्रवाल, पंकज ने भी पहुंच कर छात्राओं का उत्साह बढ़ाया।

NEWS CLIPPING: 29.02.2020

HINDUSTAN

ई-कचरा प्रबंधन प्रणाली के बारे में जागरूक किया

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (वाईएमसीए) में शुक्रवार को पर्यावरण विज्ञान विभाग की ओर से ई-कचरा पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया। इस मौके पर गैर सरकारी संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारी तापस चटर्जी मुख्यवक्ता के रूप में मौजूद थे। इस दौरान उन्होंने बच्चों को ई-कचरा प्रबंधन प्रणाली के विषय में जानकारी दी।

ठोस कचरा प्रबंधन एवं ई-कचरे पृथक्करण के लिए कार्य योजना बनाने की आवश्यकता है। प्रौद्योगिकी के पुराने और अनुपयोगी इलेक्ट्रॉनिक्स वस्तुएं तेजी से बढ़ रही है। वहीं, पर्यावरण विभागाध्यक्षा डॉ. रेणुका गुप्ता ने बताया कि पर्यावरण के हित में इलेक्ट्रानिक्स वस्तुओं का पुनःउपयोग सुनिश्चित करना होंगा। उन्होंने विद्यार्थियों को ई-कचरे के प्रबंधन में सक्रिय सहयोग देने तथा इसे जन आंदोलन बनाने के लिए प्रेरित किया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने ई-कचरा प्रबंधन पर जागरुकता शिविर को बेहतर पहल बताया। उन्होंने बताया कि पर्यावरण विज्ञान विभाग की यह सराहनीय पहल है।

इस मौके पर डॉ. सोमवीर बजाड़, अनिता गिरधर, डॉ. नविश कटारिया, डॉ. स्मिता और मोनिका आदि मौजूद रहीं।

NEWS CLIPPING: 29.02.2020

DAINIK BHASKAR

जेसी बोस विवि में आयोजन

वैज्ञानिक सीवी रमन के जीवन से प्रेरणा ले विद्यार्थी : प्रो. दिनेश

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद 29/2/20

जेसी बोस यूनिवर्सिटी में शुक्रवार को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में व्याख्यान व पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह दिवस प्रसिद्ध वैज्ञानिक सर सीवी रमन द्वारा रमन इफेक्ट की खोज के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। जिन्हें इस खोज के लिए 1930 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इस वर्ष राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का विषय 'विज्ञान में महिलाएं' है। इसका उद्देश्य विज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं के योगदान की सराहना करना है। इस दौरान कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे वैज्ञानिक सीवी रमन के जीवन व विज्ञान के क्षेत्र में उनके योगदान को जानें तथा इससे प्रेरणा लें। उन्होंने कहा नोबेल पुरस्कार विजेता सीवी रमन दृढ़ इच्छा शक्ति के व्यक्ति थे। इस अवसर पर शारदा विश्वविद्यालय नोएडा के प्रो. एच सूर्यप्रकाश राव और आईआईटी दिल्ली के प्रो. हितेंद्र मलिक ने व्याख्यान दिया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। गणित की विभागाध्यक्ष डा. नीतू गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत किया। रसायन विज्ञान के विभागाध्यक्ष डॉ. रवि कुमार भी मौजूद थे। प्रो. मलिक ने फिल्म क्लिप के माध्यम से सॉलिटन के टकराव को प्रदर्शित किया।

NEWS CLIPPING: 29.02.2020

AMAR UJALA

सीवी रमन के जीवन से प्रेरणा लें विद्यार्थी

जेसी बोस विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया

अमर उजाला ब्यूरो

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद में शुक्रवार को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस भारतीय प्रसिद्ध वैज्ञानिक सीवी. रमन द्वारा रमन इफेक्ट की खोज के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। उन्हें इस खोज के लिए 1930 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इस वर्ष, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का विषय 'विज्ञान में महिलाएं' हैं, जिसका उद्देश्य विज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं के योगदान की सराहना करना है।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे वैज्ञानिक सीवी रमन के जीवन व विज्ञान के क्षेत्र में उनके योगदान को जाने और इससे प्रेरणा लें। इस अवसर पर शारदा विवि, नोएडा के प्रो. एच. सूर्यप्रकाश राव और आईआईटी दिल्ली से प्रो. हितेंद्र मलिक ने विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में पहला पुरस्कार बीएससी केमिस्ट्री से शाइन ने जीता। बीएससी केमिस्ट्री से ही सिमरन और तनीषा ने संयुक्त रूप से दूसरा स्थान हासिल किया।

NEWS CLIPPING: 29.02.2020

AMAR UJALA

ई-कचरे पर मिलकर करने होंगे प्रयास

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग ने गैर सरकारी संगठन 'एक्शन इन कम्युनिटी एंड ट्रेनिंग' के विशेषज्ञों द्वारा ई-कचरा प्रबंधन पर जागरूकता सत्र आयोजित किया। एनजीओ की ओर से तापस चटर्जी ने विद्यार्थियों को जवाबदेह ई-कचरा प्रबंधन प्रणाली के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि देश में प्रतिवर्ष 2 मिलियन टन से अधिक ई-कचरा उत्पन्न होता है। उन्होंने कहा कि इस जागरूकता सत्र का उद्देश्य सत्र शिक्षकों और विद्यार्थियों को ई-कचरा प्रबंधन के प्रति संवेदनशील बनाना हैं। इस अवसर पर डॉ. रेणुका गुप्ता ने कहा कि हमें पर्यावरण सहित खुद के अस्तित्व को बचाने के लिए कचरे को संसाधन के रूप में देखना होगा और पर्यावरण के हित में इसका पुनः उपयोग सुनिश्चित बनाना होगा। ब्यूरो